

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) _____ is associated with retardation in various aspects of development / _____ विकास के विभिन्न पहलुओं में मंदता से जुड़ी है।

1. Medium Intelligence / मध्यम बुद्धि
2. No Intelligence / कोई बुद्धि नहीं
3. Higher Intelligence / उच्च बुद्धि
4. Lower Intelligence / मंद बुद्धि

Correct Answer :-

- Lower Intelligence / मंद बुद्धि

2) In child centred education, what the child has to learn should be / बाल-केंद्रित शिक्षा में, बच्चे को जो सीखना चाहिए, वह निम्नानुसार आंकना चाहिए:

1. Judged through activities / गतिविधियों के माध्यम से
2. Judged by the scores of their test results / उनके परीक्षा परिणामों के अंकों से
3. Judged according to the ability, interest, capacity and previous experience of the child / बच्चे की योग्यता, रुचि, क्षमता और पिछले अनुभव के अनुसार
4. Judged according to the previous experience of the child / बच्चे के पिछले अनुभव के अनुसार

Correct Answer :-

- Judged according to the ability, interest, capacity and previous experience of the child / बच्चे की योग्यता, रुचि, क्षमता और पिछले अनुभव के अनुसार

3) Child centred education typically involves: / बाल केंद्रित शिक्षा में आम तौर पर निम्न शामिल होता है:

1. on the spot assessments / तुरंत या मौके पर मूल्यांकन
2. no Assessments / कोई मूल्यांकन नहीं
3. more summative assessments / अधिक योगात्मक मूल्यांकन
4. more formative assessments / अधिक रचनात्मक मूल्यांकन

Correct Answer :-

- more formative assessments / अधिक रचनात्मक मूल्यांकन

4) Which of the following are features of progressive education? / निम्नलिखित में से कौन-सी प्रगतिशील शिक्षा की विशेषताएं हैं?

1. Instructions based solely on prescribed text books / निर्देश केवल निर्धारित पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होते हैं।
2. Flexibility on the topics that the student would like to learn / उन विषयों पर नम्यता (फ्लेक्सिबिलिटी) जो छात्र सीखना चाहते हैं।
3. Emphasis on lifelong learning and social skills / जीवन पर्यन्त अधिगम और सामाजिक कौशल पर जोर देना।
4. Emphasis on scoring good marks in examinations / परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने पर जोर देना।

Correct Answer :-

- Emphasis on lifelong learning and social skills/जीवन पर्यन्त अधिगम और सामाजिक कौशल पर जोर देना।

5) Performance intelligence is measured by: / प्रदर्शन बुद्धि को निम्न के द्वारा मापा जाता है:

1. Verbal Ability/ मौखिक क्षमता
2. Comprehension / समझ
3. Numerical Ability / संख्यात्मक क्षमता
4. Picture Arrangement / चित्र व्यवस्था

Correct Answer :-

- Picture Arrangement / चित्र व्यवस्था

6) "A thing can be learnt by the study of it as a totality" This statement is based on which learning theory / "एक चीज को समग्रता के रूप में इसके अध्ययन से सीखा जा सकता है।" यह कथन किस शिक्षण सिद्धांत पर आधारित है:

1. Instrumental conditioning / इंस्ट्रुमेंटल कंडीशनिंग
2. Insight Classical conditioning/ अंतर्दृष्टि चिरप्रतिष्ठित प्रानुकूलन (इनसाइट क्लासिकल कंडीशनिंग)
3. Trial and Error/ प्रयत्न-त्रुटि विधि
4. Classical Conditioning/ चिरप्रतिष्ठित प्रानुकूलन (क्लासिकल कंडीशनिंग)

Correct Answer :-

- Classical Conditioning/ चिरप्रतिष्ठित प्रानुकूलन (क्लासिकल कंडीशनिंग)

7) The word 'consistency' is associated with: / शब्द "सामंजस्य" इससे संबंधित है:

1. Personality / व्यक्तित्व
2. Attitude / मनोवृत्ति
3. Intelligence / बुद्धि
4. Motivation / प्रेरणा

Correct Answer :-

- Personality / व्यक्तित्व

8) The prejudice against a person on the basis of sex of that person is _____. / एक व्यक्ति के लिंग के आधार पर, उस व्यक्ति के खिलाफ पूर्वाग्रह (पक्षपात) _____ होता है।

1. Gender stereotype / लैंगिक रूढ़िबद्धता (जेंडर स्टीरियोटाइप)
2. Gender bias / लैंगिक भेदभाव (जेंडर बाइअस)
3. Gender identity / लैंगिक पहचान (जेंडर आईडेंटिटी)
4. Gender issue / लैंगिक मुद्दा (जेंडर मुद्दा)

Correct Answer :-

- Gender bias / लैंगिक भेदभाव (जेंडर बाइअस)

9) The smallest bone i.e. stapes in the human body is in the _____ ear. / मानव शरीर में सबसे छोटी हड्डी यानि स्टैप्स कान के _____ होती है।

1. Inner / अंदर
2. Middle / बीच में
3. None of these / इनमें से कोई नहीं
4. External / बाहर

Correct Answer :-

- Middle / बीच में

10) The last stage of psychosocial development is / मनोसामाजिक विकास का अंतिम चरण है -

1. Identity v/s. Confusion / पहचान बनाम भ्रम
2. Trust v/s. Mistrust / विश्वास बनाम अविश्वास
3. Generativity v/s. Stagnation / उदारता बनाम ठहराव
4. Integrity v/s. Despair / अखंडता बनाम निराशा

Correct Answer :-

- Integrity v/s. Despair / अखंडता बनाम निराशा

11) The study of same children over a period of time is known as _____ study. / एक निर्धारित समय की अवधि के लिए समान बच्चों के अध्ययन को _____ अध्ययन के रूप में जाना जाता है।

1. Longitudinal / अनुदैर्घ्य (लॉन्गीट्यूडनल)
2. Cross-sectional / प्रतिनिध्यात्मक (क्रॉस सेक्शनल)
3. Latitudinal / अक्षांशीय (लैटीट्यूडनल)
4. Experimental / प्रायोगिक

Correct Answer :-

- Longitudinal / अनुदैर्घ्य (लॉन्गीट्यूडनल)

12) Which of the following is a limitation of Eclectic counselling approach? / निम्नलिखित में से कौन-सी ग्रहणशील परामर्श दृष्टिकोण (इक्लेक्टिक काउंसलिंग एप्रोच) की सीमा है?

1. requires highly skilled counselors to handle the dynamic feature of this counselling approach / इस परामर्श दृष्टिकोण की गत्यात्मक विशेषता को नियंत्रित करने के लिए अत्यधिक कुशल परामर्शदाताओं की आवश्यकता होती है।
2. more flexible approach of counselling / परामर्श का अधिक सुविधाजनक दृष्टिकोण
3. more cost effective & practical approach / अत्यधिक प्रभावी और व्यावहारिक दृष्टिकोण
4. more objective & coordinated approach of counselling / परामर्श के अधिक लक्ष्य और समन्वित दृष्टिकोण

Correct Answer :-

- requires highly skilled counselors to handle the dynamic feature of this counselling approach / इस परामर्श दृष्टिकोण की गत्यात्मक विशेषता को नियंत्रित करने के लिए अत्यधिक कुशल परामर्शदाताओं की आवश्यकता होती है।

13) Which of the following is the best way the teacher can guide children with special needs in school education? / निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका है जिससे कि शिक्षक विद्यालयी शिक्षा में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का मार्गदर्शन कर सकते हैं?

1. Give higher challenging tasks / अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य देना
2. Give more tests / अधिक परीक्षण देना

3. Providing support and tips / सहयोग और सुझाव देना
4. Provide more homework / अधिक गृहकार्य प्रदान करना

Correct Answer :-

- Providing support and tips / सहयोग और सुझाव देना

14) Which of the following is an example of a lower order need in Maslow's hierarchy of needs? / निम्नलिखित में से कौन सा मास्लो की आवश्यकताओं के पदानुक्रम में निम्नतम क्रम की आवश्यकता का एक उदाहरण है?

1. Esteem needs / सम्मान की आवश्यकताएं
2. Self-actualization needs / आत्म-बोध की आवश्यकताएं
3. Safety needs / सुरक्षा की आवश्यकताएं
4. Love and belongingness needs / प्यार एवं अपनेपन की आवश्यकताएं

Correct Answer :-

- Safety needs / सुरक्षा की आवश्यकताएं

15) Which among the following types of intelligence would be most used when trying to navigate through traffic? / निम्नलिखित में से किस प्रकार की बुद्धि का उपयोग, यातायात के माध्यम से नेविगेट करने की कोशिश करते समय किया जाएगा?

1. Naturalistic intelligence / प्राकृतिकवादी बुद्धि
2. Spatial intelligence / स्थानिक बुद्धि
3. Interpersonal intelligence / अंतर्व्यक्तिक बुद्धि
4. Emotional intelligence / भावनात्मक बुद्धि

Correct Answer :-

- Spatial intelligence / स्थानिक बुद्धि

16) A child receives a star for every correct answer she gets. What reinforcement schedule is being used? / एक बच्ची को हर सही उत्तर के लिए एक स्टार मिलता है। किस सुदृढीकरण अनुसूची का उपयोग किया जा रहा है?

1. Variable ratio reinforcement schedule / परिवर्तनीय अनुपात सुदृढीकरण अनुसूची
2. Intermittent reinforcement schedule / आंतरायिक सुदृढीकरण अनुसूची
3. Partial reinforcement schedule / आंशिक सुदृढीकरण अनुसूची
4. Fixed ratio reinforcement schedule / निश्चित अनुपात सुदृढीकरण अनुसूची

Correct Answer :-

- Fixed ratio reinforcement schedule / निश्चित अनुपात सुदृढीकरण अनुसूची

17) One of the characteristic features of a Constructivist unit of study is that: / अध्ययन की एक रचनात्मकतावाद इकाई की एक विशेषता यह है कि:

1. It starts with what children know as an effective departure point for the lessons. / इसकी शुरुआत इससे होती है कि बच्चे पाठ के लिए एक प्रभावी प्रस्थान बिंदु के रूप क्या जानते हैं।
2. Tests and assignments are aimed only at assessing the lower order thinking skills. / जांच (टेस्ट) और नियत कार्य (असाइनमेंट) का उद्देश्य केवल निम्न स्तरीय सोच कौशल का आकलन करना होता है।
3. It is propagated solely through teacher instruction. / यह पूर्णतः शिक्षक के निर्देश के माध्यम से प्रचारित किया जाता है।
4. Asking questions is discouraged in the learning process. / प्रश्न पूछना अधिगम की प्रक्रिया में हतोत्साहित करता है।

Correct Answer :-

- It starts with what children know as an effective departure point for the lessons. / इसकी शुरुआत इससे होती है कि बच्चे पाठ के लिए एक प्रभावी प्रस्थान बिंदु के रूप क्या जानते हैं।

18) Reading skills can be best developed by: / पठन कौशल को इस प्रक्रिया द्वारा सबसे अच्छी तरह विकसित किया जा सकता है:

1. Writing answers / उत्तर लिखना
2. Playing word games /doing quizzes / वर्ड गेम खेलना / क्विज़ करना
3. Focusing on the use of words in the text / पाठ में शब्दों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना
4. Doing vocabulary exercises / शब्दावली अभ्यास करना

Correct Answer :-

- Focusing on the use of words in the text / पाठ में शब्दों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना

19) Irrespective of the kind of impairment, all children are capable of: / किसी प्रकार की असमर्थता के बावजूद, सभी बच्चे निम्न में सक्षम होते हैं:

1. Movement / चलने
2. Hearing / सुनने
3. Learning / सीखने
4. Seeing / देखने

Correct Answer :-

- Learning / सीखने

20) What are inborn patterns of behavior that are biologically determined also called? / व्यवहार के जन्मजात पैटर्न जो जीव-विज्ञान के अनुसार निर्धारित होते हैं, उन्हें यह भी कहा जाता है:

1. Id / पहचान
2. Drives / ड्राइव
3. Instincts / सहज ज्ञान
4. Intelligence / बुद्धिमत्ता

Correct Answer :-

- Instincts / सहज ज्ञान

21) What are the symptoms of Post- traumatic stress disorder in children? / बच्चों में पश्च-आघात तनाव विकार (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) के लक्षण क्या हैं?

1. Avoiding places or people associated with the event. / घटना से जुड़े स्थानों या लोगों से बचना।
2. Having to think about or say something over and over. / बार-बार कुछ कहने या उसके बारे में सोचना।
3. Not have an interest in other people at all. / दूसरों में बिल्कुल रुचि न होना
4. Becoming annoyed with others. / दूसरों से नाराज होना।

Correct Answer :-

- Avoiding places or people associated with the event. / घटना से जुड़े स्थानों या लोगों से बचना।

22) What type of theory is one that proposes that development depends on things that are inherited through genes? / किस प्रकार का सिद्धांत यह प्रस्तुत करता है कि विकास उन चीजों पर निर्भर करता है जो जीन के माध्यम से वंशागत हैं?

1. A deterministic theory / एक नियतिवाद सिद्धांत
2. A social theory / एक समाजिक सिद्धांत
3. A nature theory / एक प्राकृतिक सिद्धांत
4. A nurture theory / एक पालन-पोषण सिद्धांत

Correct Answer :-

- A nature theory / एक प्राकृतिक सिद्धांत

23) What type of thinking is associated with creativity? / किस प्रकार का चिंतन सृजनशीलता से संबंधित होता है?

1. Convergent thinking / अभिसारी सोच
2. Divergent thinking / अलग सोच
3. Insightful thinking / अंतर्दृष्टि सोच (इनसाइटफुल थिंकिंग)
4. Transductive thinking / पारमार्थिक सोच (ट्रांसडक्टिव थिंकिंग)

Correct Answer :-

- Divergent thinking / अलग सोच

24) Who introduced the theory of Universal Grammar in language development? / भाषा विकास में यूनिवर्सल ग्रामर के सिद्धांत को किसने पेश किया?

1. Piaget / पियाजे
2. Vygotsky / वाइगोत्सकी
3. Skinner / स्किनर
4. Chomsky / चॉम्सकी

Correct Answer :-

- Chomsky / चॉम्सकी

25) Intelligence is a product of both _____ and environment. / बुद्धिमत्ता, _____ और पर्यावरण दोनों का एक उत्पाद है।

1. Culture / संस्कृति
2. Community / समुदाय
3. Heredity/ आनुवंशिकता
4. Society / समाज

Correct Answer :-

- Heredity/ आनुवंशिकता

26) The Minnesota Paper Form Board test is a test which measures one's _____. / मिनेसोटा पेपर फॉर्म बोर्ड परीक्षण, एक परीक्षण है जो किसी की _____ को मापता है।

1. Verbal Reasoning/ मौखिक तर्क
2. Aptitude/ योग्यता

3. Personality/ व्यक्तित्व

4. English Skills / अंग्रेजी कौशल

Correct Answer :-

- Aptitude/ योग्यता

27) A student is asked to find different methods to evaluate the value of pi. This would mainly involve which of the following operations? / एक छात्र को पीआई के मान का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न प्रणाली को ज्ञात करने के लिए कहा जाता है। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित में से कौन सा ऑपरेशन शामिल होगा?

1. Evaluation / मूल्यांकन
2. Convergent thinking / अभिसारी चिंतन
3. Divergent thinking / अपसारी चिंतन
4. Learning / अधिगम

Correct Answer :-

- Divergent thinking / अपसारी चिंतन

28) Classical conditioning was developed by: / क्लासिकल कन्डीशनिंग (चिरप्रतिष्ठित प्रानुकूलन या शास्त्रीय अनुबंधन) निम्न में से किसके द्वारा विकसित किया गया है:

1. Bandura / बॅण्डुरा
2. Pavlov / पावलोव
3. Kohler / कोहलर
4. Piaget / पियाजे

Correct Answer :-

- Pavlov / पावलोव

29) Selecting specific stimuli through sensation is a characteristic of: / संवेदना के माध्यम से विशिष्ट उद्दीपन का चयन करने का अभिलक्षण है:

1. Attention / अवधान
2. Critical thinking / गहन चिंतन
3. Concept / अवधारणा
4. Perception / बोध

Correct Answer :-

- Perception / बोध

30) Animism is the belief that everything that exists has some kind of consciousness. Which of the following does not describe the idea of Animism in children at the pre-operational stage of development? / सर्वात्मवाद यह विश्वास है कि जो कुछ भी मौजूद है उसमें किसी प्रकार की चेतना है। निम्नलिखित में से क्या विकास के पूर्व-परिचालन स्तर पर बच्चों में सर्वात्मवाद के विचार का वर्णन नहीं करता है?

1. A child who hurts his leg while colliding against a chair will happily smack the 'naughty chair'. / एक बच्चा जो एक कुर्सी से टकराते हुए अपने पैर को चोट पहुँचाता है, खुशी से 'शरारती कुर्सी को धकेल देगा'।
2. A child dresses up as 'fireman' for a fancy-dress competition / फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के लिए एक बच्चा फायरमैन के रूप में तैयार होता है।
3. A high mountain will be thought of as 'old' / एक ऊँचे पर्वत को 'पुराना' माना जाएगा।

4. A car which won't start will be described as being 'tired' or 'ill' / एक कार जिसे शुरू नहीं किया जाएगा उसे 'थका हुआ' या 'बीमार' बताया जाएगा।

Correct Answer :-

• A child dresses up as 'fireman' for a fancy-dress competition / फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के लिए एक बच्चा फायरमैन के रूप में तैयार होता है।

Topic:- General Hindi (L1GH)

1) 'मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉचकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'प्रेरणा साथ छोड़ती हुईअस्त होता हुआ', इस पंक्ति में कौन-सा शब्द नहीं है?

1. उत्साह
2. चंद्र
3. सूर्य
4. स्वर

Correct Answer :-

- उत्साह

2) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: वह पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का क्या हो सकता है?

1. कोई संगीतकार
2. कोई रिश्तेदार
3. कोई कलाप्रेमी
4. कोई कलाकार

Correct Answer :-

- कोई रिश्तेदार

3) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लॉचकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है
जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: स्थायी को गाते हुए वह जैसे समेटता है मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ..... ?

1. सामान
2. परिणाम
3. सम्मान
4. अभिमान

Correct Answer :-

- सामान

4) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉचकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है
जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मुख्य गायक को क्या बँधाता संगतकार कहीं से चला आता है?

1. साज
2. कपड़े
3. ढाँढ़स
4. सामान

Correct Answer :-

- ढाँढ़स

5) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर कौंपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मुख्य गायक की गरज में वह अपनी गूँज कब से मिलाता आया है?

1. प्राचीन काल से
2. मध्यकाल से
3. आधुनिक काल से
4. समारोह की शुरुआत से

Correct Answer :-

- प्राचीन काल से

6) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर कॉपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मुख्य गायक की कैसी आवाज़ के साथ संगतकार की आवाज़ दब जाती है?

1. मधुर
2. लयपूर्ण
3. पंचम
4. चट्टान जैसे भारी

Correct Answer :-

- चट्टान जैसे भारी

7) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत कर रहा है?

1. साथ गाने वालों की ओर
2. नेपथ्य में रहकर परिश्रम करने वाले की ओर
3. मंच संचालकों की ओर
4. बजाने वालों की ओर

Correct Answer :-

- नेपथ्य में रहकर परिश्रम करने वाले की ओर

8) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: गायक अपने ही सरगम को लॉघकर भटकता हुआ कहाँ चला जाता है?

1. एक अनहद में
2. सुर से अलग
3. मंच के बाहर

4. धुन से अलग

Correct Answer :-

- एक अनहद में

9) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉघकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को संभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: जब गायक अंतरे की जटिल तानों और आलापों में खो जाता है तो संगतकार किसको संभाले रहता है?

1. स्थायी को
2. तबले को
3. सरगम को
4. अंतरे को

Correct Answer :-

- स्थायी को

10) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लॉघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है
जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।
दिए गए पदयांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: गायन के समय मुख्य गायक सुर में कौन अपना सुर मिलाता है?

1. सारंगी वादक
2. वायलिन वादक
3. तबला वादक
4. संगतकार

Correct Answer :-

- संगतकार

11) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉचकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: गायक किसकी जटिल तानों में खो जाता है?

1. अंत की
2. मुखड़े की
3. मतले की
4. अंतरे की

Correct Answer :-

- अंतरे की

12) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉचकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कभी-कभी वह यों ही क्या बताने के लिए दे देता है उसका साथ?

1. कि वह भी ठीक गाता है
2. कि वह अकेला नहीं है
3. कि वह वादक है
4. कि वह सुर में है

Correct Answer :-

- कि वह अकेला नहीं है

13) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉचकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।
दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।
प्रश्न: संगतकार मुख्य गायक को बचपन के अतिरिक्त और क्या याद दिलाता है?

1. वे दिन जब वह नौसिखिया था
2. इनमें से कोई नहीं
3. जब बाजा बजाता था
4. जब वह खेलता था

Correct Answer :-

- वे दिन जब वह नौसिखिया था

14) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लॉचकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है
जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है उसे क्या नहीं समझा जाना चाहिए?

1. उसका लड़कपन
2. उसका नौसिखियापन
3. उसका बॉकपन
4. उसकी विफलता

Correct Answer :-

- उसकी विफलता

15) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती

वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है

या उसका शिष्य

या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार

मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में

खो चुका होता है

या अपने ही सरगम को लॉचकर

चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में

तब संगतकार ही स्थाई को सँभाले रहता है

जैसा समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन

जब वह नौसिखिया था

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

दिए गए पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए

प्रश्न: कवि के मुताबिक संगतकार की आवाज़ में मौजूद हिचक को क्या समझा जाना चाहिए?

1. उसकी मनुष्यता
2. उसकी परिपक्वता
3. उसकी विफलता
4. उसकी सफलता

Correct Answer :-

- उसकी मनुष्यता

16) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: सूखे हुए कीचड़ कैसे दीख पड़ते हैं?

1. सोना जैसे
2. खोपरे जैसे
3. कोयला जैसे
4. मिट्टी जैसे

Correct Answer :-

- खोपरे जैसे

17) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: देखते-देखते बादल कैसे हो गए?

1. श्वेत पूनी जैसे
2. काले हो गए
3. बरसने लगे
4. इंद्रधनुषी हो गए

Correct Answer :-

- श्वेत पानी जैसे

18) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मदमस्त पाड़े किसको रौंदते हैं?

1. सूअर को
2. भैंस को
3. पाड़े को
4. कीचड़ को

Correct Answer :-

- कीचड़ को

19) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किस कुल के युद्ध का इतिहास दिखाई देता है?

1. महिषकुल
2. रघु कुल
3. कौरव कुल
4. पांडव कुल

Correct Answer :-

- महिषकुल

20) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का

आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए बरतनों के लिए कौन-सा रंग पसंद आता है?

1. हल्का आसमानी
2. लाल रंग
3. पीला रंग
4. कीचड़ का रंग

Correct Answer :-

- कीचड़ का रंग

21) आज सुबह पूर्व में कुछ ख़ास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगि न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पृथ्वी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कीचड़ देखना हो तो किन नदियों के किनारे पहुँचना चाहिए?

1. यमुना और कावेरी
2. नर्मदा और गोदावरी
3. महानदी और सतलुज
4. गंगा और सिंध

Correct Answer :-

- गंगा और सिंध

22) आज सुबह पूर्व में कुछ ख़ास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगि न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पृथ्वी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: उत्तर दिशा क्या कर सकती थी?

1. रंग बदलना
2. उपर्युक्त सभी
3. नखरे
4. कीचड़ पैदा करना

Correct Answer :-

- नखरे

23) आज सुबह पूर्व में कुछ ख़ास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: विज्ञ लोग क्या कह कर खुश-खुश हो जाते हैं?

1. वार्मटोन
2. रंग-रोगन
3. अति सुंदर
4. प्राकृतिक रंग

Correct Answer :-

- वार्मटोन

24) आज सुबह पूर्व में कुछ ख़ास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास कहाँ लिखे होने का भास होता है?

1. शिला लेख
2. कर्दम लेख
3. मर्दन लेख
4. संस्कृति लेख

Correct Answer :-

- कर्दम लेख

25) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रंगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन टोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: चिड़ियों के पदचिह्न कहाँ के रास्ते की तरह दिखते हैं ?

1. दक्षिण एशिया के
2. नदी के
3. जंगल के
4. मध्य एशिया के

Correct Answer :-

- मध्य एशिया के

26) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रंगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन टोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कीचड़ के लिए क्या नहीं होती?

1. खुशी
2. सहानुभूति
3. स्नेह

Correct Answer :-

- सहानुभूति

27) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कीचड़ का पृष्ठ भाग सूखने पर कौन-से पक्षी उस पर चलते हैं ?

1. कोयल
2. कौआ
3. मैना
4. बगुले

Correct Answer :-

- बगुले

28) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कितने नाखून आगे और क्या पीछे करके पदचिह्न बनाते हैं?

1. उपर्युक्त में से कोई नहीं
2. एक नाखून आगे और पंजा पीछे
3. तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे
4. पाँच नाखून आगे और पैर पीछे

Correct Answer :-

- तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे

29) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तुप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: हम किस-किस चीज़ का वर्णन करते हैं?

1. उपर्युक्त में से कोई नहीं
2. आकाश, पृथ्वी और जलाशय
3. हर चीज़ का
4. किसी चीज़ का नहीं

Correct Answer :-

- आकाश, पृथ्वी और जलाशय

30) आज सुबह पूर्व में कुछ खास आकर्षक नहीं था। रंग की सारी शोभा उत्तर में जमी थी। उस दिशा में लाल रंग ने तो कमाल ही कर दिया था। परंतु बहुत ही थोड़े से समय के लिए। स्वयं पूर्व दिशा ही जहाँ पूरी रँगी न गई हो, वहाँ उत्तर दिशा कर-करके भी कितने नखरे कर सकती? देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पानी जैसे हो गए और यथाक्रम दिन का आरंभ ही हो गया। हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े, यह किसी को अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है, किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सौंदर्य नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तक के गत्तों पर, घर की दीवारों पर अथवा शरीर पर के क्रीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्टी में पकाए हुए मिट्टी के बरतनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का, एकाध ठीकरे का रंग आ जाए, तो उसे वार्मटोन कहकर विज्ञ लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं, तब वे कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गरमी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं, तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोट-बड़े पक्षी चलते हैं, तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिह्न, मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है। फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूख कर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपनी सींगों से कीचड़ को रौंद कर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है। कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तुप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।

ऊपर दिये गए गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: गाय, बैल पाड़े, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि के पदचिह्न कहाँ अंकित होते हैं?

1. घास के मैदान में
2. खेत में
3. सूखे हुए कीचड़ पर
4. कहीं नहीं

Correct Answer :-

- सूखे हुए कीचड़ पर

Topic:- General Sanskrit(L2GS)

1)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

रामायणं संस्कृतसाहित्यस्य आदिकाव्यम् अस्ति । आदिकविः वाल्मीकिः अस्य रचयिताभवत्। अस्मिन् मर्यादा पुरुषोत्तमस्य श्रीरामचन्द्रस्य जीवन-चरित्रमुपनिबद्धमस्ति।

महर्षिभिः वाल्मीकिभिः कृतम् इदं महाकाव्यं तेन वृक्षेण समः विद्यते, यः स्व-शीतलच्छायया भारतीयान् आश्रयं यच्छन् स्वस्य मस्तकं गौरवेण उन्नतं कुर्वन्नस्ति। रामायणस्य गौरवं कस्यचित् देव-चरित्रस्य चित्रणे नास्ति अपितु आदर्शस्य मानवस्य वर्णनेऽस्य वैशिष्ट्यं विद्यते। भारतीया सभ्यता गृहस्थाश्रमे प्रतिष्ठिता अस्ति। अस्मिन् काव्ये तस्यैवाश्रमस्य अतिभव्यं वर्णनं विद्यते। आदर्शः पतिः, आदर्शा च भार्या अत्र चिन्हिताः सन्ति। भारतीया संस्कृतिः अस्मिन् काव्ये भव्येन रूपेण अभिव्यक्ता वर्तते।

वाल्मीकेः मुनिपुंगवस्यास्मिन् काव्ये प्रमुखं वैशिष्ट्यं 'उदारता' वर्तते। पात्राणां वर्णने, प्रसंगानां वर्णने, प्रकृत्याः चित्रणे , सौन्दर्यस्य वर्णने सर्वत्र उदात्तता नैसर्गिकरूपेण विराजते, श्रीरामस्य चरितन्तु सर्वोदात्तमस्ति। लक्ष्मणस्य मूर्च्छायां गते श्रीरामः कथयति-

देशे-देशे कलत्राणि देशे देशे च बान्धवाः। तं तु देशं व पश्यामि यत्र भ्राता सहोदरः। एतेन पद्येन तस्य भ्रातृस्नेहस्याभिव्यक्तिः भवति। रावणे मृते श्रीरामस्य औदार्यमपि द्रष्टव्यमस्ति। सः विभीषणं वदति- मरणान्तानि वैराणि निर्वृत्तं नः प्रयोजनम्। क्रियामस्य संस्कारः ममाप्येष यथा तव । कियान् भव्यः मनोरमः च भावो विद्यतेऽत्र । अस्य कवितापि सरला, सरसा, अतिमनोहरा च विद्यते। रसानां परिपाकः अलंकाराणां योजनापि रामायणे दर्शनीया वर्तते।

वस्तुतः रामायणं न केवलं महाकाव्यम् अपि तु आर्याणाम् आचारशास्त्रमपि विद्यते।

आर्याणाम् आचारशास्त्रमिदमस्ति-

1. पञ्चतन्त्रम्
2. हितोपदेशः
3. रामायणम्
4. महाभारतम्

Correct Answer :-

. रामायणम्

2) अधोदत्तेषु विकल्पेषु कः विकल्पः शुद्धः?

1. महार् + णवः

2. महार् + ऋणवः

3. महारू + णवः

4. महा + अर्णवः

Correct Answer :-

. महा + अर्णवः

3) अधोदत्तेषु विकल्पेषु कः संधियुक्तः न भवति ।

1. तवापि

2. इत्यपि

3. अहमपि

4. ममापि

Correct Answer :-

. अहमपि

4)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

रामायणं संस्कृतसाहित्यस्य आदिकाव्यम् अस्ति । आदिकविः वाल्मीकिः अस्य रचयिताभवत्। अस्मिन् मर्यादा पुरुषोत्तमस्य श्रीरामचन्द्रस्य जीवन-चरित्रमुपनिबद्धमस्ति।

महर्षिभिः वाल्मीकिभिः कृतम् इदं महाकाव्यं तेन वृक्षेण समः विद्यते, यः स्व-शीतलच्छायया भारतीयान् आश्रयं यच्छन् स्वस्य मस्तकं गौरवेण उन्नतं कुर्वन्नस्ति। रामायणस्य गौरवं कस्यचित् देव-चरित्रस्य चित्रणे नास्ति अपितु आदर्शस्य मानवस्य वर्णनेऽस्य वैशिष्ट्यं विद्यते। भारतीया सभ्यता गृहस्थाश्रमे प्रतिष्ठिता अस्ति। अस्मिन् काव्ये तस्यैवाश्रमस्य अतिभव्यं वर्णनं विद्यते। आदर्शः पतिः, आदर्शा च भार्या अत्र चिन्हिताः सन्ति। भारतीया संस्कृतिः अस्मिन् काव्ये भव्येन रूपेण अभिव्यक्ता वर्तते।

वाल्मीकेः मुनिपुंगवस्यास्मिन् काव्ये प्रमुखं वैशिष्ट्यं 'उदारता' वर्तते। पात्राणां वर्णने, प्रसंगानां वर्णने, प्रकृत्याः चित्रणे , सौन्दर्यस्य वर्णने सर्वत्र उदात्तता नैसर्गिकरूपेण विराजते, श्रीरामस्य चरितन्तु सर्वोदात्तमस्ति। लक्ष्मणस्य मूर्च्छायां गते श्रीरामः कथयति-

देशे-देशे कलत्राणि देशे देशे च बान्धवाः। तं तु देशं व पश्यामि यत्र भ्राता सहोदरः। एतेन पद्येन तस्य भ्रातृस्नेहस्याभिव्यक्तिः भवति। रावणे मृते श्रीरामस्य औदार्यमपि द्रष्टव्यमस्ति। सः विभीषणं वदति- मरणान्तानि वैराणि निर्वृत्तं नः प्रयोजनम्। क्रियामस्य संस्कारः ममाप्येष यथा तव । कियान् भव्यः मनोरमः च भावो विद्यतेऽत्र । अस्य कवितापि सरला, सरसा, अतिमनोहरा च विद्यते। रसानां परिपाकः अलंकाराणां योजनापि रामायणे दर्शनीया वर्तते।

वस्तुतः रामायणं न केवलं महाकाव्यम् अपि तु आर्याणाम् आचारशास्त्रमपि विद्यते।

“मर्यादापुरुषोत्तमस्य रामस्य जीवनचरित्रमुपनिबद्धमस्ति” अस्मिन् वाक्ये

विशेषणमस्ति-

1. निबद्ध

2. मर्यादापुरुषोत्तमस्य

3. राम

4. जीवनचरित

Correct Answer :-

• मर्यादापुरुषोत्तमस्य

5) एतेषु कः संधिविहीनः विकल्पः अस्ति ।

1. तत्रास्मि

2. कुत्रास्मि

3. अत्रास्मि

4. अहमस्मि

Correct Answer :-

• अहमस्मि

6)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

उपमन्युः ऋषेः धौम्यस्य अन्यतमः शिष्यः आसीत् । एकदा धौम्यः तमादिशत् - “

गाः सेवस्व “ इति । उपमन्युः दिवा गाः सेवित्वा सायमागच्छति स्म । एकदा तं

पीनं दृष्ट्वा गुरुः वदति - केन वृत्तिं कल्पयसि ? दृढः, पीनः च असि ?

उपमन्युः- भोः आचार्य! भिक्षया वृत्तिं कल्पयामि।

गुरुः - मयि अनिवेद्य भैक्ष्यं मा स्वीकुरुष्व ।

उपमन्युः - तथैव करोमि, भोः आचार्य।

उपमन्युः प्रतिदिनं सर्वं गुरवे न्यवेदयत् । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः पुनः तं पीनं

दृष्ट्वा गुरुः अभाषत - सम्पूर्णां भिक्षाम् अहं गृह्णामि । केन वृत्तिं कल्पयसि ?

उपमन्युः - प्रथमां भिक्षां गुरवे समर्प्य अपरां भिक्षां चरामि ।

गुरुः- एषा वृत्तिः नोचिता । त्वम् अन्येषां वृत्तिं बाधसे । पुनः एवं मा आचर ।

उपमन्युः तथा इति उक्त्वा गाम् असेवत । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः तं पुनरपि पीनं

दृष्ट्वा गुरुः एवमवदत् - सर्वं भैक्ष्यं मह्यं समर्प्य पुनः पीनः असि कथम् ? केन

वृत्तिं कल्पयसि ?

शिष्यः- आचार्य! एतासां गवां पयसा वृत्तिं कल्पयामि ।

धौम्यः- गवां पयः उपभोक्तुं त्वामहं न आदिशम् । गवां क्षीरं मा स्वीकुरु ।

शिष्यः गुरुवचनम् अन्वसरत् ।

स्वीकुरु' इत्यत्र कः लकारः ?

1. लङ्
2. लोट्
3. लृट्
4. लट्

Correct Answer :-

- लोट्

7)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -
कः कालः कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ |
कस्याहं का च मे शक्तिः इति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः |
वदनं प्रसादसदनं सदयं दयं सुधामुचो वाचः |
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः ॥

‘चिन्त्यम्’ अत्रायं प्रत्ययः ।

1. ल्यप्
2. क्त्वा
3. शतृ
4. ण्यत्

Correct Answer :-

. ण्यत्

8) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -
कः कालः कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ |
कस्याहं का च मे शक्तिः इति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः |
वदनं प्रसादसदनं सदयं दयं सुधामुचो वाचः |
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः ॥

‘ते’ इति पदम् एतत् भवति ।

1. अव्ययम्
2. क्रियापदम्
3. सर्वनाम
4. कृदन्तः

Correct Answer :-

. सर्वनाम

9) देवतात्मा अस्य शुद्धः संधिच्छेदः अयमस्ति ।

1. देवता + आत्मा
2. देव + अतात्मा
3. देवता + तमा
4. देव् + आत्मा

Correct Answer :-

• देवता + आत्मा

10) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥
ये केचिद् दुःखिता लोके सर्वे ते स्वसुखेच्छया ।
ये केचित् सुखिता लोके सर्वे तेऽन्यसुखेच्छया ॥

‘सुखेच्छया’ इत्यस्य पदविच्छेदः एवं भवति ।

1. सुख+ईच्छया
2. सुखे+इच्छया
3. सुख+इच्छया
4. सुखे+एच्छया

Correct Answer :-

• सुख+इच्छया

11)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

षड् दोषाः पुरुषेणह हातव्या भूर्तोमेच्छता ।

निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

ये केचिद् दुःखिता लोके सर्वे ते स्वसुखेच्छया ।

ये केचित् सुखिता लोके सर्वे तेऽन्यसुखेच्छया ॥

सर्वे एतदर्थं दुःखिताः ।

1. परसुखार्थम्

2. अन्यसुखार्थम्

3. स्वसुखार्थम्

4. आत्मार्थम्

Correct Answer :-

• स्वसुखार्थम्

12) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

षड् दोषाः पुरुषेणह हातव्या भूर्तोमेच्छता ।

निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

ये केचिद् दुःखिता लोके सर्वे ते स्वसुखेच्छया ।

ये केचित् सुखिता लोके सर्वे तेऽन्यसुखेच्छया ॥

सर्वे एतदर्थं दुःखिताः ।

1. धनम्

2. दुःखम्

3. सुखम्

4. भयम्

Correct Answer :-

सुखम्

13)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

उपमन्युः ऋषेः धौम्यस्य अन्यतमः शिष्यः आसीत् । एकदा धौम्यः तमादिशत् - “ गाः सेवस्व ” इति । उपमन्युः दिवा गाः सेवित्वा सायमागच्छति स्म । एकदा तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः वदति - केन वृत्तिं कल्पयसि ? दृढः, पीनः च असि ?

उपमन्युः- भोः आचार्य! भिक्षया वृत्तिं कल्पयामि।

गुरुः - मयि अनिवेद्य भैक्ष्यं मा स्वीकुरुष्व ।

उपमन्युः - तथैव करोमि, भोः आचार्य।

उपमन्युः प्रतिदिनं सर्वं गुरवे न्यवेदयत् । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः पुनः तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः अभाषत - सम्पूर्णा भिक्षाम् अहं गृह्णामि । केन वृत्तिं कल्पयसि ?

उपमन्युः - प्रथमां भिक्षां गुरवे समर्प्य अपरां भिक्षां चरामि ।

गुरुः- एषा वृत्तिः नोचिता । त्वम् अन्येषां वृत्तिं बाधसे । पुनः एवं मा आचर ।

उपमन्युः तथा इति उक्त्वा गाम् असेवत । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः तं पुनरपि पीनं दृष्ट्वा गुरुः एवमवदत् - सर्वं भैक्ष्यं मह्यं समर्प्य पुनः पीनः असि कथम् ? केन वृत्तिं कल्पयसि ?

शिष्यः- आचार्य! एतासां गवां पयसा वृत्तिं कल्पयामि ।

धौम्यः- गवां पयः उपभोक्तुं त्वामहं न आदिशम् । गवां क्षीरं मा स्वीकुरु ।

शिष्यः गुरुवचनम् अन्वसरत् ।

कासां पयसा उपमन्युः वृत्तिं कल्पयति ?

1. वृषभाणाम्

2. महिषीनाम्

3. हरिणीनां

4. गवां

Correct Answer :-

गवां

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

रामायणं संस्कृतसाहित्यस्य आदिकाव्यम् अस्ति । आदिकविः वाल्मीकिः अस्य रचयिताभवत्। अस्मिन् मर्यादा पुरुषोत्तमस्य श्रीरामचन्द्रस्य जीवन-चरित्रमुपनिबद्धमस्ति।

महर्षिभिः वाल्मीकिभिः कृतम् इदं महाकाव्यं तेन वृक्षेण समः विद्यते, यः स्व-शीतलच्छायया भारतीयान् आश्रयं यच्छन् स्वस्य मस्तकं गौरवेण उन्नतं कुर्वन्नस्ति। रामायणस्य गौरवं कस्यचित् देव-चरित्रस्य चित्रणे नास्ति अपितु आदर्शस्य मानवस्य वर्णनेऽस्य वैशिष्ट्यं विद्यते। भारतीया सभ्यता गृहस्थाश्रमे प्रतिष्ठिता अस्ति। अस्मिन् काव्ये तस्यैवाश्रमस्य अतिभव्यं वर्णनं विद्यते। आदर्शः पतिः, आदर्शा च भार्या अत्र चिन्हिताः सन्ति। भारतीया संस्कृतिः अस्मिन् काव्ये भव्येन रूपेण अभिव्यक्ता वर्तते।

वाल्मीकेः मुनिपुंगवस्यास्मिन् काव्ये प्रमुखं वैशिष्ट्यं 'उदारता' वर्तते। पात्राणां वर्णने, प्रसंगानां वर्णने, प्रकृत्याः चित्रणे, सौन्दर्यस्य वर्णने सर्वत्र उदात्तता नैसर्गिकरूपेण विराजते, श्रीरामस्य चरितन्तु सर्वोदात्तमस्ति। लक्ष्मणस्य मूर्च्छायां गते श्रीरामः कथयति-

देशे-देशे कलत्राणि देशे देशे च बान्धवाः। तं तु देशं व पश्यामि यत्र भ्राता सहोदरः। एतेन पद्येन तस्य भ्रातृस्नेहस्याभिव्यक्तिः भवति। रावणे मृते श्रीरामस्य औदार्यमपि द्रष्टव्यमस्ति। सः विभीषणं वदति- मरणान्तानि वैराणि निर्वृत्तं नः प्रयोजनम्। क्रियामस्य संस्कारः ममाप्येष यथा तव । कियान् भव्यः मनोरमः च भावो विद्यतेऽत्र । अस्य कवितापि सरला, सरसा, अतिमनोहरा च विद्यते। रसानां परिपाकः अलंकाराणां योजनापि रामायणे दर्शनीया वर्तते।

वस्तुतः रामायणं न केवलं महाकाव्यम् अपि तु आर्याणाम् आचारशास्त्रमपि विद्यते।

इयं अस्मिन् काव्ये भव्येन रूपेण अभिव्यक्ता वर्तते-

1. एकोऽपि न
2. भारतीया संस्कृतिः
3. भारतीयगौरवम्

Correct Answer :-

. भारतीया संस्कृतिः

15)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

रामायणं संस्कृतसाहित्यस्य आदिकाव्यम् अस्ति । आदिकविः वाल्मीकिः अस्य रचयिताभवत्। अस्मिन् मर्यादा पुरुषोत्तमस्य श्रीरामचन्द्रस्य जीवन-चरित्रमुपनिबद्धमस्ति।

महर्षिभिः वाल्मीकिभिः कृतम् इदं महाकाव्यं तेन वृक्षेण समः विद्यते, यः स्व-शीतलच्छायया भारतीयान् आश्रयं यच्छन् स्वस्य मस्तकं गौरवेण उन्नतं कुर्वन्नस्ति। रामायणस्य गौरवं कस्यचित् देव-चरित्रस्य चित्रणे नास्ति अपितु आदर्शस्य मानवस्य वर्णनेऽस्य वैशिष्ट्यं विद्यते। भारतीया सभ्यता गृहस्थाश्रमे प्रतिष्ठिता अस्ति। अस्मिन् काव्ये तस्यैवाश्रमस्य अतिभव्यं वर्णनं विद्यते। आदर्शः पतिः, आदर्शा च भार्या अत्र चिन्हिताः सन्ति। भारतीया संस्कृतिः अस्मिन् काव्ये भव्येन रूपेण अभिव्यक्ता वर्तते।

वाल्मीकेः मुनिपुंगवस्यास्मिन् काव्ये प्रमुखं वैशिष्ट्यं 'उदारता' वर्तते। पात्राणां वर्णने, प्रसंगानां वर्णने, प्रकृत्याः चित्रणे , सौन्दर्यस्य वर्णने सर्वत्र उदात्तता नैसर्गिकरूपेण विराजते, श्रीरामस्य चरितन्तु सर्वोदात्तमस्ति। लक्ष्मणस्य मूर्च्छायां गते श्रीरामः कथयति-

देशे-देशे कलत्राणि देशे देशे च बान्धवाः। तं तु देशं व पश्यामि यत्र भ्राता सहोदरः। एतेन पद्येन तस्य भ्रातृस्नेहस्याभिव्यक्तिः भवति। रावणे मृते श्रीरामस्य औदार्यमपि द्रष्टव्यमस्ति। सः विभीषणं वदति- मरणान्तानि वैराणि निर्वृत्तं नः प्रयोजनम्। क्रियामस्य संस्कारः ममाप्येष यथा तव । कियान् भव्यः मनोरमः च भावो विद्यतेऽत्र । अस्य कवितापि सरला, सरसा, अतिमनोहरा च विद्यते। रसानां परिपाकः अलंकाराणां योजनापि रामायणे दर्शनीया वर्तते।

वस्तुतः रामायणं न केवलं महाकाव्यम् अपि तु आर्याणाम् आचारशास्त्रमपि विद्यते।

भारतीया सभ्यता अत्र प्रतिष्ठिता अस्ति-

1. संन्यासाश्रमे
2. गृहस्थाश्रमे
3. ब्रह्मचर्याश्रमे
4. वानप्रस्थाश्रमे

Correct Answer :-

- गृहस्थाश्रमे

16) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -
कः कालः कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ |
कस्याहं का च मे शक्तिः इति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः |
वदनं प्रसादसदनं सदयं दयं सुधामुचो वाचः |
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः ||

एते वन्द्याः भवन्ति ।

1. कृतघ्नाः
2. परावलम्बिनः
3. परोपकारिणः
4. स्वालम्बिनः

Correct Answer :-

- परोपकारिणः

17)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

रामायणं संस्कृतसाहित्यस्य आदिकाव्यम् अस्ति । आदिकविः वाल्मीकिः अस्य रचयिताभवत्। अस्मिन् मर्यादा पुरुषोत्तमस्य श्रीरामचन्द्रस्य जीवन-चरित्रमुपनिबद्धमस्ति।

महर्षिभिः वाल्मीकिभिः कृतम् इदं महाकाव्यं तेन वृक्षेण समः विद्यते, यः स्व-शीतलच्छायया भारतीयान् आश्रयं यच्छन् स्वस्य मस्तकं गौरवेण उन्नतं कुर्वन्नस्ति। रामायणस्य गौरवं कस्यचित् देव-चरित्रस्य चित्रणे नास्ति अपितु आदर्शस्य मानवस्य वर्णनेऽस्य वैशिष्ट्यं विद्यते। भारतीया सभ्यता गृहस्थाश्रमे प्रतिष्ठिता अस्ति। अस्मिन् काव्ये तस्यैवाश्रमस्य अतिभव्यं वर्णनं विद्यते। आदर्शः पतिः, आदर्शा च भार्या अत्र चिन्हिताः सन्ति। भारतीया संस्कृतिः अस्मिन् काव्ये भव्येन रूपेण अभिव्यक्ता वर्तते।

वाल्मीकेः मुनिपुंगवस्यास्मिन् काव्ये प्रमुखं वैशिष्ट्यं 'उदारता' वर्तते। पात्राणां वर्णने, प्रसंगानां वर्णने, प्रकृत्याः चित्रणे , सौन्दर्यस्य वर्णने सर्वत्र उदात्तता नैसर्गिकरूपेण विराजते, श्रीरामस्य चरितन्तु सर्वोदात्तमस्ति। लक्ष्मणस्य मूर्च्छायां गते श्रीरामः कथयति-

देशे-देशे कलत्राणि देशे देशे च बान्धवाः। तं तु देशं व पश्यामि यत्र भ्राता सहोदरः। एतेन पद्येन तस्य भ्रातृस्नेहस्याभिव्यक्तिः भवति। रावणे मृते श्रीरामस्य औदार्यमपि द्रष्टव्यमस्ति। सः विभीषणं वदति- मरणान्तानि वैराणि निर्वृत्तं नः प्रयोजनम्। क्रियामस्य संस्कारः ममाप्येष यथा तव । कियान् भव्यः मनोरमः च भावो विद्यतेऽत्र । अस्य कवितापि सरला, सरसा, अतिमनोहरा च विद्यते। रसानां परिपाकः अलंकाराणां योजनापि रामायणे दर्शनीया वर्तते।

वस्तुतः रामायणं न केवलं महाकाव्यम् अपि तु आर्याणाम् आचारशास्त्रमपि विद्यते।

भार्या इति पदस्य समानार्थकपदमिदमस्ति-

1. भगिनी
2. द्वितीया
3. भर्ता
4. भ्राता

Correct Answer :-

. द्वितीया

18) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

षड् दोषाः पुरुषेण हातव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥
ये केचिद् दुःखिता लोके सर्वे ते स्वसुखेच्छया ।
ये केचित् सुखिता लोके सर्वे तेऽन्यसुखेच्छया ॥

एतादृशेण पुरुषेण दोषाः हातव्याः ।

1. धनमिच्छता
2. भूतिमिच्छता
3. भूतमिच्छता
4. भूमिमिच्छता

Correct Answer :-

. भूतिमिच्छता

19) रघुदिग्विजयः' रघुवंशस्य कस्मिन् सर्गेऽस्ति ?

1. ९
2. ७
3. ४
4. ८

Correct Answer :-

. ४

20)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -
कः कालः कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ ।
कस्याहं का च मे शक्तिः इति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः ।
वदनं प्रसादसदनं सदयं दयं सुधामुचो वाचः ।
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः ॥

‘वदनम्’ अस्य विशेषणम् इदम् ।

1. प्रसादफलम्
2. प्रसादवनम्
3. प्रसादसदनम्
4. प्रसादवदनम्

Correct Answer :-

- प्रसादसदनम्

21)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

उपमन्युः ऋषेः धौम्यस्य अन्यतमः शिष्यः आसीत् । एकदा धौम्यः तमादिशत् - “ गाः सेवस्व “ इति । उपमन्युः दिवा गाः सेवित्वा सायमागच्छति स्म । एकदा तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः वदति - केन वृत्तिं कल्पयसि ? दृढः, पीनः च असि ?

उपमन्युः- भोः आचार्य! भिक्षया वृत्तिं कल्पयामि।

गुरुः - मयि अनिवेद्य भैक्ष्यं मा स्वीकुरुष्व ।

उपमन्युः - तथैव करोमि, भोः आचार्य।

उपमन्युः प्रतिदिनं सर्वं गुरवे न्यवेदयत् । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः पुनः तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः अभाषत - सम्पूर्णा भिक्षाम् अहं गृह्णामि । केन वृत्तिं कल्पयसि ?

उपमन्युः - प्रथमां भिक्षां गुरवे समर्प्य अपरां भिक्षां चरामि ।

गुरुः- एषा वृत्तिः नोचिता । त्वम् अन्येषां वृत्तिं बाधसे । पुनः एवं मा आचर ।

उपमन्युः तथा इति उक्त्वा गाम् असेवत । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः तं पुनरपि पीनं दृष्ट्वा गुरुः एवमवदत् - सर्वं भैक्ष्यं मह्यं समर्प्य पुनः पीनः असि कथम् ? केन वृत्तिं कल्पयसि ?

शिष्यः- आचार्य! एतासां गवां पयसा वृत्तिं कल्पयामि ।

धौम्यः- गवां पयः उपभोक्तुं त्वामहं न आदिशम् । गवां क्षीरं मा स्वीकुरु ।

शिष्यः गुरुवचनम् अन्वसरत् ।

उपमन्युः कस्य शिष्यः ?

1. कपिलस्य
2. गौतमस्य
3. कश्यपस्य
4. धौम्यस्य

Correct Answer :-

- धौम्यस्य

22) श्रु+तव्यत्=_____? योजयत-

1. श्रुतम्
2. श्रुतव्यम्

3. श्रोतव्यम्

4. श्रावयितव्यम्

Correct Answer :-

. श्रोतव्यम्

23) अनुस्वारस्य वर्णोत्पत्तिस्थानम् -

1. ओष्ठौ

2. नासिका

3. दन्ताः

4. मूर्धा

Correct Answer :-

. नासिका

24) गाथासप्तशत्यां कति श्लोकाः सन्ति ?

1. ८००

2. ५००

3. ६००

4. ७००

Correct Answer :-

. ७००

25) मेघदूते यक्षः भूमौ कुत्रासीत् ?

1. उज्जयिनी

2. अमरावती

3. रामगिरिः

4. कौशम्बी

Correct Answer :-

रामगिरिः

26)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

उपमन्युः ऋषेः धौम्यस्य अन्यतमः शिष्यः आसीत् । एकदा धौम्यः तमादिशत् - “ गाः सेवस्व ” इति । उपमन्युः दिवा गाः सेवित्वा सायमागच्छति स्म । एकदा तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः वदति - केन वृत्तिं कल्पयसि ? दृढः, पीनः च असि ?

उपमन्युः- भोः आचार्य! भिक्षया वृत्तिं कल्पयामि।

गुरुः - मयि अनिवेद्य भैक्ष्यं मा स्वीकुरुष्व ।

उपमन्युः - तथैव करोमि, भोः आचार्य।

उपमन्युः प्रतिदिनं सर्वं गुरवे न्यवेदयत् । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः पुनः तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः अभाषत - सम्पूर्णा भिक्षाम् अहं गृह्णामि । केन वृत्तिं कल्पयसि ?

उपमन्युः - प्रथमां भिक्षां गुरवे समर्प्य अपरां भिक्षां चरामि ।

गुरुः- एषा वृत्तिः नोचिता । त्वम् अन्येषां वृत्तिं बाधसे । पुनः एवं मा आचर ।

उपमन्युः तथा इति उक्त्वा गाम् असेवत । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः तं पुनरपि पीनं दृष्ट्वा गुरुः एवमवदत् - सर्वं भैक्ष्यं मह्यं समर्प्य पुनः पीनः असि कथम् ? केन वृत्तिं कल्पयसि ?

शिष्यः- आचार्य! एतासां गवां पयसा वृत्तिं कल्पयामि ।

धौम्यः- गवां पयः उपभोक्तुं त्वामहं न आदिशम् । गवां क्षीरं मा स्वीकुरु ।

शिष्यः गुरुवचनम् अन्वसरत् ।

उपमन्युः प्रथमां भिक्षां कस्मै समर्पयति ?

1. मात्रे

2. गुरवे

3. धेनवे

4. देवाय

Correct Answer :-

गुरवे

27)

‘हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः’ कुत्रास्ति उक्तिरियम् ?

1. किरातार्जुनीये
2. शिशुपालवधे
3. रघुवंशे
4. नैषधीयचरिते

Correct Answer :-

• किरातार्जुनीये

28) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।

निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

ये केचिद् दुःखिता लोके सर्वे ते स्वसुखेच्छया ।

ये केचित् सुखिता लोके सर्वे तेऽन्यसुखेच्छया ॥

‘विलम्बेन कार्यकरणम्’ इत्यर्थं एतत् पदं सूचयति ।

1. तन्द्रः
2. क्रोधः
3. दीर्घसूत्रता
4. आलस्यम्

Correct Answer :-

• दीर्घसूत्रता

29)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

उपमन्युः ऋषेः धौम्यस्य अन्यतमः शिष्यः आसीत् । एकदा धौम्यः तमादिशत् - “ गाः सेवस्व ” इति । उपमन्युः दिवा गाः सेवित्वा सायमागच्छति स्म । एकदा तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः वदति - केन वृत्तिं कल्पयसि ? दृढः, पीनः च असि ?

उपमन्युः- भोः आचार्य! भिक्षया वृत्तिं कल्पयामि।

गुरुः - मयि अनिवेद्य भैक्ष्यं मा स्वीकुरुष्व ।

उपमन्युः - तथैव करोमि, भोः आचार्य।

उपमन्युः प्रतिदिनं सर्वं गुरवे न्यवेदयत् । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः पुनः तं पीनं दृष्ट्वा गुरुः अभाषत - सम्पूर्णां भिक्षाम् अहं गृह्णामि । केन वृत्तिं कल्पयसि ?

उपमन्युः - प्रथमां भिक्षां गुरवे समर्प्य अपरां भिक्षां चरामि ।

गुरुः- एषा वृत्तिः नोचिता । त्वम् अन्येषां वृत्तिं बाधसे । पुनः एवं मा आचर ।

उपमन्युः तथा इति उक्त्वा गाम् असेवत । कतिपयेभ्यः दिवसेभ्यः तं पुनरपि पीनं दृष्ट्वा गुरुः एवमवदत् - सर्वं भैक्ष्यं मह्यं समर्प्य पुनः पीनः असि कथम् ? केन वृत्तिं कल्पयसि ?

शिष्यः- आचार्य! एतासां गवां पयसा वृत्तिं कल्पयामि ।

धौम्यः- गवां पयः उपभोक्तुं त्वामहं न आदिशम् । गवां क्षीरं मा स्वीकुरु ।

शिष्यः गुरुवचनम् अन्वसरत् ।

उपमन्युः कदा गाः सेवते ?

1. दिवा
2. सायम्
3. रात्रौ
4. प्रदोषे

Correct Answer :-

1. दिवा

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

कः कालः कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ ।

कस्याहं का च मे शक्तिः इति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः ॥

वदनं प्रसादसदनं सदयं दयं सुधामुचो वाचः ।

करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः ॥

मुहुर्मुहुः एतत् चिन्त्यम् ।

1. आत्मज्ञानम्

2. आत्मसाक्षी

3. आत्मरतिः

4. आत्मशक्तिः

Correct Answer :-

• आत्मशक्तिः

Topic:- Sanskrit (SAN)

1) भिन्नप्रकृतिकपदं चिनुत-

1. निरुक्तम् ।

2. मीमांसा ।

3. कल्पः ।

4. शिक्षा ।

Correct Answer :-

• मीमांसा ।

2) पाणिनेः अष्टाध्यायी-ग्रन्थस्य अपरं नाम किम् ?

1. शब्दानुशासनम् ।

2. वाक्यपदीयम् ।

3. महाभाष्यम् ।

4. सरस्वतीकण्ठाभरणम् ।

Correct Answer :-

• शब्दानुशासनम् ।

3) कालविधानशास्त्रं किमिति उच्यते ?

1. शिक्षा ।

2. निरुक्तम् ।

3. ज्योतिषम् ।

4. छन्दस् ।

Correct Answer :-

• ज्योतिषम् ।

4) इदं भवभूतेः नाटकेषु न अन्तर्भवति -

1. प्रतिमानाटकम् ।

2. उत्तररामचरितम् ।

3. मालतीमाधवम् ।

4. महावीरचरितम् ।

Correct Answer :-

• प्रतिमानाटकम् ।

5) व्याकरणस्य मुनित्रये अयं अन्यतमः -

1. भर्तृहरिः ।
2. कात्यायनः ।
3. सायणाचार्यः ।
4. कणादः ।

Correct Answer :-

- कात्यायनः ।

6) पञ्चमहाभूतेषु इदं न अन्तर्भवति -

1. जलम् ।
2. तेजः ।
3. पृथ्वी ।
4. मनः ।

Correct Answer :-

- मनः ।

7) 'माघे मेघे गतं वयः' इत्यत्र 'मेघ' शब्दस्य अर्थः -

1. मेघदूतम् ।
2. मेघ इति कश्चन कविः ।
3. जलमुच्च ।
4. न कोऽपि ।

Correct Answer :-

- मेघदूतम् ।

8) वेदपुरुषस्य घ्राणम् उच्यते_____ ।

1. शिक्षा ।
2. व्याकरणम् ।
3. निरुक्तम् ।
4. कल्पः ।

Correct Answer :-

• शिक्षा ।

9) 'विद्याधनम्' इति कः समासः ?

1. विशेषणपूर्वपदः ।
2. अवधारणापूर्वपदः ।
3. विशेषणोभयपदः ।
4. उपमानपूर्वपदः ।

Correct Answer :-

• अवधारणापूर्वपदः ।

10) 'दिलीपस्य गोसेवा' कस्मिन् काव्ये वर्णिता ?

1. कुमारसम्भवे ।
2. शाकुन्तले ।
3. मालविकाग्निमित्रे ।
4. रघुवंशे ।

Correct Answer :-

• रघुवंशे ।

11)

'मया आदित्यः दृश्यते।' इत्यस्य वाक्यप्रयोगः कः ?

1. भावे ।
2. कर्मणि ।
3. कर्मकर्तारि ।
4. कर्तारि ।

Correct Answer :-

• कर्मणि ।

12) चाणक्यं प्रमुखपात्रं स्वीकृत्य विरचितम् नाटकम् किम् ?

1. मृच्छकटिकम् ।
2. मुद्राराक्षसम् ।
3. रत्नावली ।
4. वेणीसंहारम् ।

Correct Answer :-

• मुद्राराक्षसम् ।

13) 'आशिष्' इति शब्दस्य लिङ्गः कः ?

1. नपुंसकलिङ्गः ।
2. पुंस्त्रीलिङ्गः ।
3. स्त्रीलिङ्गः ।
4. पुंलिङ्गः ।

Correct Answer :-

• स्त्रीलिङ्गः ।

14) 'बुद्धचरितम्' इति महाकाव्यस्य प्रणेता कः ?

1. गौतमः ।
2. भवभूतिः ।
3. अश्वघोषः ।
4. बाणभट्टः ।

Correct Answer :-

- अश्वघोषः ।

15) राष्ट्रीयशिक्षानीतिः कुत्र अधिकं बलं दत्तम्?

1. निर्देशने
2. अनुसन्धाने
3. परीक्षामूल्याङ्कनक्षेत्रे
4. व्यवसायिके

Correct Answer :-

- व्यवसायिके

16) कः जैनदर्शनस्य अन्तिमः तीर्थंकरः कः ?

1. अरिष्टनेमि
2. अदितनाथः
3. महावीरस्वामी
4. ऋषभदेवः

Correct Answer :-

- महावीरस्वामी

17) 'पश्यन्ती' इत्यत्र प्रत्ययः कः ?

1. शानच् ।
2. ल्यप् ।
3. शतृ ।
4. क्त ।

Correct Answer :-

. शतृ ।

18) पुराणानां सङ्ख्या का ?

1. 20
2. 12
3. 18
4. 10

Correct Answer :-

. 18

19) क्षेत्रसिद्धान्तस्य प्रतिपादकः -

1. लेविन्-महोदयः
2. पावलव्-महोदयः
3. टालमेन् महोदयः
4. हल्-महोदयः

Correct Answer :-

. लेविन्-महोदयः

20)

वैशेषिकदर्शनस्य प्रवर्तकः कः ?

1. कणादः ।
2. गौतमः ।
3. कपिलः ।
4. व्यासः ।

Correct Answer :-

• कणादः ।

21) हैनरी- कॉल्डवेल् -कुरुदारा प्रतिपादिता विधिः -

1. क्रीडाविधिः
2. प्रोजेक्टविधिः
3. ह्यूरिस्टिकविधिः
4. मॉण्टेसोरी विधिः

Correct Answer :-

• क्रीडाविधिः

22) अभिज्ञानशाकुन्तले कति अङ्काः वर्तन्ते ?

1. 7
2. 6
3. 5
4. 9

Correct Answer :-

• 7

23) कारकेषु स्वतन्त्रः कः ?

1. करणम् ।
2. कर्म ।
3. कर्ता ।
4. सम्प्रदानम् ।

Correct Answer :-

- कर्ता ।

24) शिक्षा एका प्रकारिका क्रिया वर्तते -

1. गत्यात्मिका
2. यादृच्छिकी
3. स्थूलभूता
4. स्थिरभूता

Correct Answer :-

- गत्यात्मिका

25) जीन-पियाजेमहोदयः कस्य सिद्धान्तस्य प्रवर्तकः ?

1. बुद्धिसंरचनात्मकस्य
2. प्रयोगात्मकमनोविज्ञानस्य
3. सक्रियानुबन्धस्य
4. संज्ञानात्मकविकासस्य

Correct Answer :-

- संज्ञानात्मकविकासस्य

26) विद्यालये बालकस्य उपरि कस्य /केषां प्रभावः अधिकः भवति?

1. अध्यापकस्य
2. सहपाठिनाम्
3. पुस्तकानाम्
4. क्रीडासमूहस्य

Correct Answer :-

- अध्यापकस्य

27) आकारदृष्ट्या बृहत्तमः उपनिषद्ग्रन्थः कः ?

1. प्रश्नोपनिषद् ।
2. श्वेताश्वतरोपनिषद् ।
3. छान्दोग्योपनिषद् ।
4. बृहदारण्यकोपनिषद् ।

Correct Answer :-

- बृहदारण्यकोपनिषद् ।

28) वकारादिपुराणेषु इदं न भवति -

1. वायु ।
2. वामन ।
3. विराट् ।
4. विष्णु ।

Correct Answer :-

- विराट् ।

29)

निरुक्तस्य प्रणेता कः ?

1. सायणः ।
2. यास्कः ।
3. पाणिनिः ।
4. शाकटायनः ।

Correct Answer :-

- यास्कः ।

30) कोठारी आयोगस्य अपरं नाम -

1. महिलाऽयोगः
2. विश्वविद्यालयाऽयोगः
3. राष्ट्रीयशिक्षाऽयोगः
4. बालशिक्षाऽयोगः

Correct Answer :-

- राष्ट्रीयशिक्षाऽयोगः

31) व्यासविरचितं गणेशलिखितम् इति किं काव्यम् अधिकृत्य प्रसिद्धम् ?

1. रामायणम् ।
2. रघुवंशम् ।
3. भागवतम् ।
4. महाभारतम् ।

Correct Answer :-

- महाभारतम् ।

32) तर्कसङ्ग्रहस्य प्रणेता कः ?

1. गौतमः ।
2. ईश्वरकृष्णः ।
3. सदानन्दः ।
4. अन्नम्भट्टः ।

Correct Answer :-

- . अन्नम्भट्टः ।

33) अशुद्धं क्रियापदं चिनुत -

1. लज्जते ।
2. रोचते ।
3. पचते ।
4. लसते ।

Correct Answer :-

- . लसते ।

34) 'रत्नावली' इति नाटिकायाः प्रणेता कः ?

1. श्रीहर्षः ।
2. भट्टनारायणः ।
3. हर्षवर्धनः ।
4. विशाखदत्तः ।

Correct Answer :-

- . हर्षवर्धनः ।

35) राधाकृष्णन् आयोगस्य नामान्तरं किम्?

1. माध्यमिकाऽयोगः
2. कोठारी आयोगः
3. संस्कृताऽयोगः
4. विश्वविद्यालयाऽयोगः

Correct Answer :-

- विश्वविद्यालयाऽयोगः

36) _____ पदार्थप्रधानः अव्ययीभावः ।

1. अन्य
2. पूर्व ।
3. उभय ।
4. उत्तर ।

Correct Answer :-

- पूर्व ।

37) भगवद्गीता कस्मिन् आर्षग्रन्थे अन्तर्भवति ?

1. भागवते ।
2. उपनिषदि ।
3. रामायणे ।
4. महाभारते ।

Correct Answer :-

- महाभारते ।

38) 'हुताशनः' इति शब्दस्य पर्यायपदं किम् ?

1. मेघः ।

2. वायुः ।

3. जलम् ।

4. अग्निः ।

Correct Answer :-

• अग्निः ।

39) साधु वाक्यं किम् ?

1. जनकः पुत्रं क्रुध्यति ।

2. जनकः पुत्रात् क्रुध्यति ।

3. जनकः पुत्राय क्रुध्यति ।

4. जनकः पुत्रे क्रुध्यति ।

Correct Answer :-

• जनकः पुत्राय क्रुध्यति ।

40) 'पञ्चलक्षणम्' इति आहूयते -

1. पुराणम् ।

2. वेदः ।

3. उपनिषद् ।

4. वेदाङ्गम् ।

Correct Answer :-

• पुराणम् ।

41) प्राचीनतमः वेदः कः ?

1. अथर्ववेदः ।
2. सामवेदः ।
3. ऋग्वेदः ।
4. यजुर्वेदः ।

Correct Answer :-

- ऋग्वेदः ।

42) नास्तिकदर्शनेषु अयम् अन्यतमः -

1. योगः ।
2. साङ्ख्यम् ।
3. जैनः ।
4. मीमांसा ।

Correct Answer :-

- जैनः ।

43) 'विद्यमानः' इत्यत्र प्रत्ययः कः ?

1. शतृ ।
2. अनीयर् ।
3. क्तवतु ।
4. शानच् ।

Correct Answer :-

- शानच् ।

44) 'लब्धवान्' इत्यस्य प्रत्ययः कः ?

1. शानच् ।

2. क्त ।

3. क्त्वा ।

4. क्तवतु ।

Correct Answer :-

• क्तवतु ।

45) एतेषु छात्राणाम् मूल्याङ्कनपद्धतिः उत्तमा भवति -

1. वर्षे त्रिवारम्

2. वर्षे एकवारम्

3. वर्षे समयानुगुणं मूल्याङ्कनेन

4. वर्षे द्विवारम्

Correct Answer :-

• वर्षे समयानुगुणं मूल्याङ्कनेन

46) नलदमयन्त्योः कथा अस्मिन् वर्ण्यते -

1. रघुवंशे ।

2. विक्रमोर्वशीये ।

3. उत्तररामचरिते ।

4. नैषधीयचरिते ।

Correct Answer :-

• नैषधीयचरिते ।

47) 'अन्तेऽपि' इत्यस्य सन्धिविच्छेदः कः ?

1. अन्ते अपि ।

2. अन्ते ऽपि ।

3. अन्तेपि ।

4. अन्तः अपि ।

Correct Answer :-

• अन्ते अपि ।

48) 'भगवच्छक्तिः' इत्यस्य सन्धिः कः ?

1. जश्त्वसन्धिः ।

2. चर्त्वसन्धिः ।

3. ष्टुत्वसन्धिः ।

4. श्रुत्वसन्धिः ।

Correct Answer :-

• श्रुत्वसन्धिः ।

49) आदर्शवादस्य दार्शनिकः अयम् -

1. सुकरातः

2. रूसोवर्यः

3. डूरेन्ड-ड्रेकः

4. वाल्टेर्वर्यः

Correct Answer :-

• सुकरातः

50)

गुरुकुलशिक्षाप्रणाल्याः कृते बलं कः दत्तवान् ?

1. गाँधीजी
2. टैगोरः
3. श्री अरविन्दः
4. विवेकानन्दः

Correct Answer :-

- विवेकानन्दः

51) साधु वाक्यं किम् ?

1. छात्रैः ग्रन्थः पठ्यते ।
2. छात्रैः ग्रन्थं पठ्यते ।
3. छात्रैः ग्रन्थः पठ्यन्ते ।
4. छात्राः ग्रन्थं पठ्यन्ते ।

Correct Answer :-

- छात्रैः ग्रन्थः पठ्यते ।

52) लौकिकव्याकरणे कस्य लकारस्य प्रयोगः न दृश्यते ?

1. लट् ।
2. लेट् ।
3. लृट् ।
4. लङ् ।

Correct Answer :-

- लेट् ।

53) दीपशिखाकविः इति कः प्रसिद्धः ?

1. भवभूतिः ।
2. कालिदासः ।
3. भारविः ।
4. वाल्मीकिः ।

Correct Answer :-

• कालिदासः ।

54) इदं पञ्चमहाकाव्येषु अन्यतमम् -

1. सौन्दरनन्दम् ।
2. मालतीमाधवम् ।
3. मालविकाग्निमित्रम् ।
4. कुमारसम्भवम् ।

Correct Answer :-

• कुमारसम्भवम् ।

55) एतेषु एकः जन्मजातप्रेरकः नास्ति -

1. निद्रा
2. पिपासा
3. स्वभावः
4. बुभुषा

Correct Answer :-

• स्वभावः

56) विशिष्टाद्वैतस्य मूलग्रन्थः कः अस्ति?

1. शारीरकभाष्यम्
2. बादरायणसूत्राणि
3. श्रीभाष्यम्
4. ब्रह्मसूत्राणि

Correct Answer :-

• श्रीभाष्यम्

57) 'वृकभीतः' इत्यस्य विग्रहवाक्यं किम् ?

1. वृकेण भीतः ।
2. वृकस्य भीतः ।
3. वृकात् भीतः ।
4. वृकः भीतः ।

Correct Answer :-

• वृकात् भीतः ।

58) 'वज्रकठोरम्' इत्यस्य विग्रहवाक्यं किम् ?

1. वज्रम् एव कठोरम् ।
2. वज्रम् इव कठोरम् ।
3. वज्रम् कठोरम् ।
4. वज्रम् कठोरम् इव ।

Correct Answer :-

• वज्रम् इव कठोरम् ।

59) 'मातृदेवो भव पितृदेवो भव' इति उपनिषद्वाक्यं कस्माद् उद्धृतम् ?

1. कठात् ।
2. मुण्डकात् ।
3. तैत्तिरीयात् ।
4. माण्डुक्यात् ।

Correct Answer :-

• तैत्तिरीयात् ।

60) अस्मिन् वर्षे चिन्तनशक्तेः एवं निरीक्षणशक्तेः विकासः भवति?

1. षष्ठमवर्षे
2. सप्तमवर्षे
3. एकादशवर्षे
4. दशमवर्षे

Correct Answer :-

• एकादशवर्षे